सार्थक ढंग से सीखने के लिए वर्कशीट

विमल पी थॉमस

सुमा प्राइमरी स्कूल की शिक्षिका हैं और कक्षा-4 और 5 को गणित व पर्यावरण अध्ययन पढ़ाती हैं। वे अपनी सभी कक्षाओं में वर्कशीट का जमकर इस्तेमाल करती हैं। किसी भी नई विषयवस्तु या अवधारणा को पढ़ाने के बाद वे अपने विद्यार्थियों को इस उद्देश्य के साथ वर्कशीट देती हैं कि उन्हें उस विषयवस्तु या अवधारणा में अभ्यास करने को मिले। ज़्यादातर वर्कशीट घर पर अभ्यास करने के लिए दी जाती हैं जिन्हें जाँच कर सुमा विद्यार्थियों को वापस कर देती हैं।

अनीश भी प्राइमरी स्कूल के शिक्षक हैं। वे एक स्कूल में कक्षा-3 के होम टीचर हैं मतलब वे कक्षा-3 के सारे विषय सम्भालते हैं। अनीश के लिए वर्कशीट मुख्यतः आकलन का उपकरण हैं। वे वर्कशीट का इस्तेमाल किसी भी अवधारणा को सिखाने के बाद बच्चों की उस पर पकड़ जाँचने के लिए और स्कूल में अपने प्रशासनिक कामों के दौरान बच्चों को व्यस्त रखने के लिए करते हैं।

यह स्पष्ट है कि वर्कशीट सीखने-सिखाने की प्रक्रिया का अभिन्न अंग हैं। सुमा और अनीश के जैसे ही ज़्यादातर शिक्षक अपनी कक्षा में वर्कशीट का इस्तेमाल मुख्य रूप से अभ्यास और आकलन के लिए करते हैं। इस सन्दर्भ में, वर्कशीटों की विस्तार से चर्चा करना उपयोगी होगा जैसे एक अच्छी वर्कशीट के क्या अंग होते हैं और वे कौन-से तरीक़े हैं जिनके द्वारा इन्हें कक्षा में प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया जा सकता है।

एक कारगर वर्कशीट की विशेषताएँ

विद्यार्थियों की ज़िन्दगियों से जुड़ती हो

इंटरनेट पर हर विषय पर तमाम तरह की वर्कशीट उपलब्ध हैं। हालाँकि, यह बहुत ज़रूरी है कि शिक्षक ऐसी वर्कशीट चुनें जो उनके विद्यार्थियों के लिए प्रासंगिक हों या उनकी ज़िन्दगियों से जुड़ी हों। उदाहरण के लिए : अगर विषय पालतू जानवर हो तो विद्यार्थियों के लिए इनमें से कौन-सी वर्कशीट दिलचस्प और सार्थक होगी?

1) पाठ्यपुस्तक में एक छोटा पैराग्राफ़ है जिसमें एक लड़का अपनी पालतू बिल्ली का विवरण दे रहा है। शिक्षक विद्यार्थियों को वही पैरा वर्कशीट में देते हैं पर इसमें विद्यार्थी बिल्ली का नाम और रंग बदल सकते हैं।

2) शिक्षक विद्यार्थियों को अपने पालतू जानवर का आईडी कार्ड बनाने का काम देते हैं। इस वर्कशीट में आईडी कार्ड का एक नमूना है।

Pet ID Card

Name of the pet: ____________________

Owner's name: ____________________

Animal type: ____________________

Colour: __________ Gender: □ male □female

Age: _____ Eats: ____________________

Identification marks: ____________________

Address: ____________________

____

Paste the photo or drawing of your pet here.

चित्र-1 : पालतू जानवर के आईडी कार्ड वाली वर्कशीट

दूसरी वर्कशीट कक्षा में निश्चित रूप से ज़्यादा रोमांच पैदा करेगी, क्योंकि पहली वर्कशीट की तुलना में दूसरी वर्कशीट उनकी ज़िन्दगियों से ज़्यादा जुड़ी हुई है। इससे उन्हें अपने वास्तविक या काल्पनिक पालतू जानवरों के बारे में बताने का मौक़ा मिलता है।

विभिन्न कौशलों को शामिल करती हो

वर्कशीट ऐसी होनी चाहिए जो विभिन्न कौशलों, जैसे कि सोचना, बोलना, चित्र बनाना, कलाकृति बनाना आदि को शामिल करती हो। हालाँकि वर्कशीट के बारे में एक आम धारणा यह भी है कि वे केवल लेखन से भरी जानी चाहिए। उदाहरण के लिए, पालतू जानवर के आईडी कार्ड वाली वर्कशीट विद्यार्थियों को अपने पालतू जानवरों को ग़ौर से देखने, उनका वाज़िब विवरण देने, चित्रों या फ़ोटो के ज़रिए उन्हें दर्शाने का मौक़ा देती है।

बनावट आकर्षक हो

अगर आप बच्चों की किसी पत्रिका या कहानियों की क़िताब को एक नज़र देखेंगे तो उनके रंग, चित्र, चित्रांकन और फॉन्ट ज़रूर आपका ध्यान अपनी ओर खीचेंगे। बच्चों के लिए बनाई गई किसी भी सामग्री की बनावट आकर्षक होनी चाहिए। बच्चों के लिए वर्कशीट चुनते और बनाते वक़्त शिक्षक इस पहलू को ध्यान में रख सकते हैं। पालतू जानवर के आईडी कार्ड वाली वर्कशीट में आकर्षक फॉन्ट का उपयोग किया गया है और वर्कशीट की बनावट भी एक आईडी कार्ड जैसी है।

लचीलापन हो

बच्चों से की जाने वाली अपेक्षाओं के सन्दर्भ में ज़रूरी है कि वर्कशीट में लचीलेपन की गुंजाइश होनी चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को अपने विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने की खुली छूट मिले। इसके अलावा, विद्यार्थियों को ऐसा महसूस न हो कि उन्हें उनके काम से आँका जा रहा है या उनके बारे में कोई एक राय बन रही है। पालतू जानवर के आईडी कार्ड वाली वर्कशीट साझा करने से पहले शिक्षक अपनी कक्षा में विभिन्न पालतू जानवरों जैसे कि बिल्ली, कुत्ते, घोड़े, मछली, बकरी, गधे और कछुओं पर चर्चा कर सकते हैं। ताकि जिन विद्यार्थियों के पास आमतौर पर रखे जाने वाले पालतू जानवर के अलावा कोई अन्य जानवर हो तो वे ख़ुद को अलग-थलग न महसूस करें। इसी तरह, शिक्षक कुछ काल्पनिक पालतू जानवरों को चर्चा में ला सकते हैं जैसे नारंगी हाथी, पंखों वाले घोड़े या रंग-बिरंगे सींगों वाली बकरियाँ।

सफ़र पर बनाई गई मल्टी-ग्रेड वर्कशीट

रुकमा एक प्राइमरी स्कूल में कक्षा-1 से 5 को अँग्रेज़ी पढ़ाती हैं। सफ़र एक ऐसा विषय है, जो हर कक्षा की पाठ्यपुस्तकों में होता है इसीलिए उन्होंने इस विषय पर कुछ दिलचस्प वर्कशीट बनाने का निर्णय लिया। यह पता करने के दौरान कि उनके विद्यार्थियों को कौन-सी वर्कशीट या गतिविधियों में रूचि होगी, उन्हें एक विचार सूझा — सफ़र पर चर्चा करने के लिए स्कूल द्वारा आयोजित की जाने वाली वार्षिक यात्रा से ज़्यादा अच्छा मौक़ा और कौन-सा होगा? वार्षिक यात्रा के इर्द-गिर्द सफ़र के जितने भी पहलुओं की चर्चा हो सकती थी, उन सभी को उन्होंने लिख लिया और अपनी वर्कशीट के लिए उन्हें कई विचार मिल गए।

रुकमा ने योजना बनाने के वक़्त से ही अपने विद्यार्थियों को इसमें शामिल किया। इसके लिए उन्होंने एक ऐसी वर्कशीट (**चित्र-2**) तैयार की जिसमें विद्यार्थी यात्रा के दौरान जिन जगहों पर जाना चाहते हों उनकी एक सूची बना सकें और फिर उनमें से किसी एक जगह का चुनाव कर सकें। उन्होंने इस वर्कशीट में तारीख़, समय, यातायात का साधन, विद्यार्थियों की संख्या और खाने के विकल्प जैसी जानकारियाँ भी शामिल कीं। उन्होंने इस वर्कशीट को हर कक्षा के साथ इस्तेमाल करने की योजना बनाई।

कक्षा-4 और 5 के लिए तैयार की गई एक दूसरी वर्कशीट में रुकमा ने अपने विद्यार्थियों को यात्रा के लिए चुनी हुई जगहों के बारे में विस्तार से बताने का मौक़ा दिया। उन्होंने बच्चों को उन जगहों के बारे में लिखने का और/ या उनकी फ़ोटो चिपकाने का विकल्प दिया। छोटी कक्षाओं के लिए उन्होंने ऐसी वर्कशीट तैयार की जिसमें बच्चे चुनी हुई जगहों के चित्र समाचार पत्रों या पत्रिकाओं से इकट्ठा करके नियत बॉक्स में चिपका सकते थे।

तीसरी वर्कशीट (**चित्र-3**) में पूरे रास्ते का मानचित्र था। रुकमा ने अपने स्कूल में स्मार्टबोर्ड होने का फ़ायदा उठाया और उस पर गूगल मैप्स को प्रोजेक्ट कर बच्चों को जगहों के बीच की दूरियाँ और इन दूरियों को तय करने में लगने वाले अनुमानित समय को जानने का मौक़ा दिया। यह वर्कशीट भी कक्षा-4 और 5 के लिए बनाई गई थी।

एक अन्य वर्कशीट (**चित्र-4**) में उन्होंने बच्चों से यात्रा के दौरान साथ ले जाने वाली चीज़ों की एक सूची बनवाई। इस वर्कशीट में कुछ चित्र संकेत के रूप में दिए गए थे।

स्कूल द्वारा आयोजित यात्रा एक ऐसा कार्यक्रम था जिसके लिए विद्यार्थी हमेशा उत्साहित और उतावले रहते थे, इसीलिए उन सभी को वर्कशीट पर काम करते हुए बहुत मज़ा आया। बाद में रुकमा ने कुछ और वर्कशीट बनाईं जिनमें विद्यार्थी अपने दिनभर के खाने की योजना बना सकते थे और अपनी-अपनी कक्षाओं के बच्चों के नामों की सूची बना सकते थे।

इस तरह स्कूल द्वारा आयोजित यात्रा बच्चों के लिए ख़ुशी के

Study Tour - 2019

Worksheet 1

1. DESTINATION



Options:

1) ______________________________

2) ______________________________

3) ______________________________

4) ______________________________

Destination finalized:____________________

2. DATE & TIME





Date:______________

Time

Start time:________ End time:____







3. MODE OF TRANSPORT

Options:

1) Train

2) Bus

3) Ship

Mode of transport chosen: ___________________

4. PARTICIPANTS



Total no of participants:

Boys: ______ Girls:______

Teachers / Parents:_______

5. FOOD





Breakfast: ☐

Tea and snacks (morning): ☐

Lunch: ☐

Tea and snacks: ☐

Dinner: ☐

No. of vegetarians:___ **No. of non-vegetarians:**___

चित्र-2 : सफ़र की जानकारी

Travel Plan

Starting point : ____________________

Place of visit 1 : ____________________

Place of visit 2 : ____________________

Place of visit 3 : ____________________

____________ : ____________________

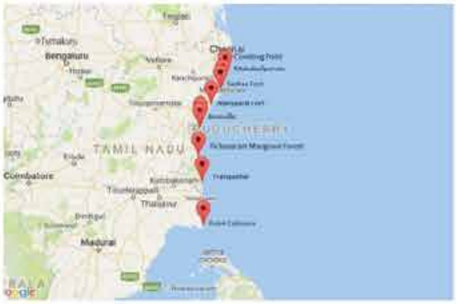
____________ : ____________________

____________ : ____________________

____________ : ____________________

End point : ____________________





Distance Between Places of Visit



From starting point to place of visit 1 : ________ kilometers

From place of visit 1 to place of visit 2 : ________ kilometers

From place of visit 2 to place of visit 3 : ________ kilometers

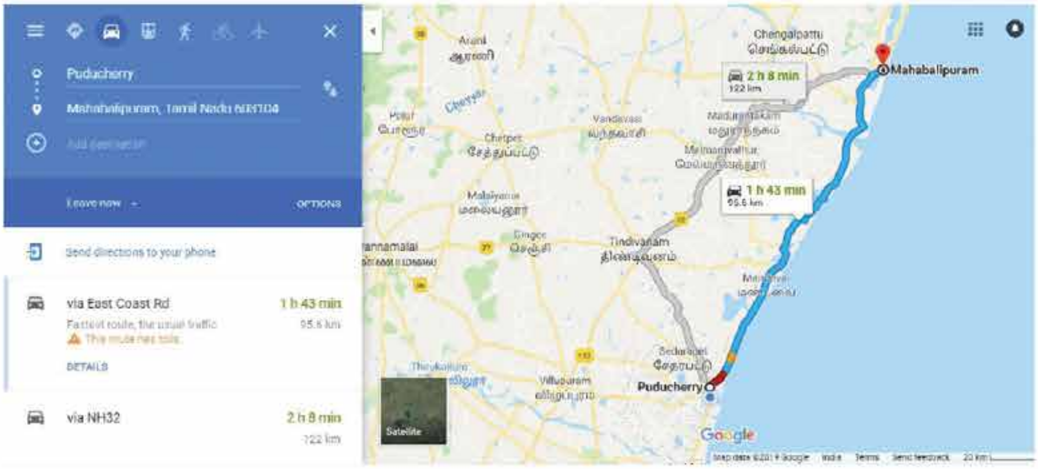
____________________ : ____________

____________________ : ____________

____________________ : ____________

From place of visit __ to end point : ________ kilometers

Total distance : ________ kilometers



चित्र-3 : घूमने के स्थान और रास्ते का मानचित्र

List of things to be taken:

1. Identity Card
2. Water bottle
3. Cap
4. First aid kit
5. ____________________
6. ____________________
7. ____________________
8. ____________________
9. ____________________
10. ____________________
11. ____________________
12. ____________________
13. ____________________
14. ____________________
15. ____________________











चित्र-4 : साथ ले जाने वाले चीज़ें

साथ-साथ सीखने का भी एक मौक़ा बन गई। उन्हें किसी सफ़र की योजना बनाने से सम्बन्धित अलग-अलग बातों जैसे यात्रा की तारीख़, समय, जगह से लेकर यात्रा के मार्ग और खाने जैसे सूक्ष्म पहलुओं के बारे में निर्णय लेने का अनुभव मिला। अपने शिक्षक की बनाई गई रचनात्मक वर्कशीटों का यह सेट बच्चों के सीखने का पूरक बन गया।

अवलोकन

वर्कशीट को सीखने के एक उपकरण की तरह उपयोग करने के बारे में हम रुकमा और उनके विद्यार्थियों के मामले से कुछ निष्कर्ष निकाल सकते हैं। सुमा और अनीश ने वर्कशीट का इस्तेमाल क्रमशः अभ्यास और आकलन के लिए किया। रुकमा ने कई क़दम आगे बढ़ते हुए वर्कशीट की विभिन्न सम्भावनाओं पर काम किया और उन्हें अपनी पढ़ाने की प्रक्रिया का एक असरदार उपकरण ही बना लिया। उन्होंने इस बात पर ख़ासा ध्यान दिया कि ये वर्कशीट उनके विद्यार्थियों के लिए प्रासंगिक हों और उनके अनुभवों से जुड़ी हुई हों। रुकमा ने वर्कशीटों में कई ऐसे पहलू जोड़े जिनमें लिखने और चित्र बनाने के अलावा कई और कौशल शामिल थे जैसे की सोचना, चर्चा करना और योजना बनाना। उन्होंने इस बात का ध्यान रखा कि वर्कशीटों के साथ ही यात्रा की पूरी प्रक्रिया को उनके विद्यार्थी अपना लें। साथ-ही-साथ 'सफ़र' के विषय को विद्यार्थियों द्वारा समझने के व्यापक उद्देश्य के साथ भी कोई समझौता नहीं हुआ। सीखना इस पूरी प्रक्रिया का एक सहज परिणाम रहा।

सारांश

यह ज़रूरी है कि वर्कशीट बच्चों में स्वामित्व की भावना पैदा करें। विद्यार्थी ख़ुद अपने लिए वर्कशीट तैयार कर सकते हैं या मौजूदा वर्कशीट को अपने अनुसार बदल सकते हैं। जैसे, पालतू जानवरों के आईडी कार्ड वाली वर्कशीट के लिए शिक्षक इस बारे में बच्चों की राय जान सकते हैं कि वे इन कार्डों में और कौन-सी जानकारी जोड़ना चाहते हैं। बल्कि शिक्षक वर्कशीट तैयार करने से पहले ही बच्चों की राय ले सकते हैं और उनके सुझावों के अनुसार वर्कशीट बना सकते हैं। इसी तरह, बच्चों द्वारा पूरी करने के बाद ज़रूरी नहीं कि शिक्षक वर्कशीटों को इकट्ठा करके स्कूल में एक जगह संग्रहित कर दें। इन्हें कक्षा या स्कूल में प्रदर्शित किया जा सकता है या ये बच्चों को वापस दी जा सकती हैं ताकि वे इन्हें अपने दोस्तों और परिवार वालों को दिखा सकें। विद्यार्थी अपने काम का पोर्टफ़ोलियो भी बना सकते हैं। इस सबसे बच्चों में इन वर्कशीटों या इस गतिविधि के प्रति स्वामित्व की भावना पैदा होगी और वे इसे शिक्षक द्वारा उन पर थोप दिए गए काम की तरह नहीं देखेंगे।

Reference

Link to the worksheets *Travel – Class V*: https://www.azimpremjifoundationpuducherry.org/resource-catalogues/travel-class-v



विमल पी थॉमस अज़ीम प्रेमजी फ़ाउण्डेशन, पुदुचेरी के ज़िला संस्थान में स्रोत व्यक्ति के रूप में कार्यरत हैं। उनकी रुचि अँग्रेज़ी भाषा शिक्षण (ईएलटी) में है। उन्हें घूमने का और घूमे हुए स्थानों के बारे में ब्लॉग पर लिखने का भी शौक़ है। उनसे vimal.thomas@azimpremjifoundation.org पर सम्पर्क किया जा सकता है।

अनुवाद : अपूर्वा राजे   **पुनरीक्षण :** भरत त्रिपाठी   **कॉपी एडिटर :** अनुज उपाध्याय